आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 16 अंक : 45 लखनऊ, शनिवार 07 मार्च 2026 सा 13 मार्च 2026 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

मैनपुरी–इटावा वेटलैंड्स बनेंगे पर्यटन का केंद्रः योगी सरकार विकसित कर रही है विशेष 'सारस सर्किट'

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश के राजकीय पक्षी सारस (क्रेन) के संरक्षण और इको–टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए सारस सर्किट की स्थापना कर रही है। सारस सर्किट का विकास प्रदेश के मैनपुरी और इटावा जिलों के वेटलैंड्स में किया जा रहा है, जिसके तहत मैनपुरी के किर्थुआ, सहस, कुर्रा जरावां, सौज एवं समन के साथ इटावा के सरसई नावर और परौली रामायण वेटलैंड एरिया में सारस सर्किट विकसित किया जा रहा है। सारस सर्किट में सारस पक्षी के संरक्षण के साथ इको–टूरिज्म की गतिविधियों को भी शामिल किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य सारस पक्षी और वेटलैंड्स संरक्षण के साथ स्थानीय पर्यटन को भी बढ़ावा देना है। यह स्थानीय लोगों को आय के अवसर उपलब्ध करवाएगा और सारस पक्षी और वेटलैंड्स के संरक्षण के लिए भी प्रेरित करेगा। इन परियोजनाओं का विकास ईको–टूरिज्म विकास बोर्ड के माध्यम से प्रदेश का वन विभाग कर रहा है। दुनिया में सबसे लंबी उड़ान के लिए जाना जाने वाला सारस पक्षी, उत्तर प्रदेश का राजकीय पक्षी है। इसका आवास और प्रजनन क्षेत्र विशेषतौर पर राज्य के मैनपुरी, इटावा, एटा, अलीगढ़ की वेटलैड्स में है। जिसे ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार सारस पक्षी के संरक्षण के लिए सारस सर्किट का विकास कर रही है। जहां प्रदेश का वन विभाग, यूपी ईको टूरिज्म विकास बोर्ड के माध्यम से क्षेत्र के उथले जलाशयों, तालाबों और अन्य वेटलैड्स को संरक्षित कर सारस पक्षी के अनुकूल बनाने का प्रयास कर रहा है। साथ ही क्षेत्र में ईको टूरिज्म की गतिविधियों को भी विकसित किया जा रहा है। इस क्रम में मैनपुरी और इटावा जिलों के सारस सर्किट में प्रवेश द्वार, व्यू पॉइंट, डेक एवं बोटिंग स्पॉट, बटरफ्लाई गार्डन, सोलर साइट लाइटिंग, इंटरप्रिटेशन सेंटर, पार्किंग जैसी

सुविधाओं का विकास किया जाएगा। साथ ही, सारस सर्किट में पर्यटकों की सुविधा के लिए सूचना केंद्र, ईको–टॉयलेट ब्लॉक, पार्किंग, इंटरैक्टिव साइनेज, फूड कियोस्क और ओडीओपी व स्मृति चिन्ह की दुकानें भी विकसित की जाएंगी। ये सुविधाएं पर्यटकों को सारस के प्राकृतिक आवास को देखने और समझने का अवसर प्रदान करेंगी। योगी सरकार की यह पहल न केवल सारस (क्रेन) और अन्य पक्षियों जैसे ग्रे हेरॉन, ओपन–बिल्ड स्टॉर्क आदि की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी, बल्कि क्षेत्र के वेटलैंड्स के संरक्षण को भी बढ़ावा देगी। यह इन क्षेत्रों में भू–जल स्तर में वृद्धि के साथ ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों को कम करने और सतत विकास की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित होगा। साथ ही, इन क्षेत्रों में इको–टूरिज्म की गतिविधियों के विकास से स्थानीय समुदाय के लोगों को आय और रोजगार के अवसर मिलेंगे। इससे स्थानीय लोगों और घूमने के लिए आने वाले पर्यटकों में भी पर्यावरण संरक्षण और प्रेंति के प्रति संवेदनशीलता में बढ़ोतरी होगी। सारस पक्षी को उसके प्रोंतिक वातावरण में सुरक्षा और संरक्षण प्रदान कर योगी सरकार क्षेत्र की जैव विविधता को संजोने का अनूठा प्रयास कर रही है। ये परियोजनाएं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सतत विकास की अवधारणा को सफल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

मिडिल ईस्ट तनावः कतर में फंसे भारतीयों के लिए दूतावास ने जारी की एडवाइजरी, जरूरी होने पर ही निकलें बाहर

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव के कारण कतर की राजधानी दोहा में स्थित भारतीय दूतावास ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। दूतावास ने जारी पत्र में कहा, ष्वर्तमान सुरक्षा स्थिति को देखते हुए कतर में रहने

वाले सभी भारतीयों से अनुरोध है कि वे कतर के अधिकारियों, विशेष रूप से गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करें। मंत्रालय ने कतर में मौजूद सभी भारतीयों को सुरक्षित स्थानों पर रहने, अत्यंत आवश्यक होने पर ही निकलने और खिड़कियों और खुले स्थानों से दूर रहने की सलाह दी है। दूतावास कतर के अधिकारियों की सलाह को अपने सोशल मीडिया चौनलों, फेसबुक और इंस्टाग्राम के माध्यम से भी साझा कर रहा है। दूतावास ने कहा है, ष्कतर का हवाई क्षेत्र फिलहाल बंद है और उड़ानें अस्थायी रूप से निलंबित हैं। कतर एयरवेज ७ मार्च को सुबह ६ बजे (दोहा समय) नवीनतम जानकारी जारी करेगी। सभी यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी–अपनी एयरलाइन से संपर्क में रहें।' कतर के आंतरिक मंत्रालय ने सभी श्रेणियों के प्रवेश वीजा, जो समाप्त हो चुके हैं या समाप्त होने वाले हैं, उनकी वैधता एक महीने के लिए बढ़ाने की घोषणा की है। स्थिति के अनुसार इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। यह वैधता २८ फरवरी, २०२६ से प्रभावी होगी। आपातकालीन स्थिति में कतर से सलवा भूमि सीमा चौकी के माध्यम से सऊदी अरब जाने का विकल्प वर्तमान में खुला है। अमेरिकी, ब्रिटिश या शेंगेन वीजा धारक भारतीय नागरिक (जिनका कम से कम एक बार उपयोग किया जा चुका हो) सऊदी अरब में आगमन पर वीजा प्राप्त कर सकते हैं। सऊदी अरब के रास्ते यात्रा करने के इच्छुक अन्य भारतीय नागरिक निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार सऊदी वीजा के लिए आवेदन कर सकते हैं। दोहा स्थित भारतीय दूतावास, सऊदी अरब के लिए अस्थायी ट्रांजिट वीजा प्राप्त करने में सुविधा प्रदान करने के लिए एक पंजीकरण लिंक खोल रहा है। यह सुविधा केवल उन भारतीय नागरिकों के लिए है, जो वर्तमान में कतर में ट्रांजिट के दौरान फंसे हुए हैं, बशर्ते उनके पास सऊदी अरब से बाहर जाने के लिए पुष्ट टिकट हों। पंजीकरण के समय कृपया कतर आने वाली फ्लाइट टिकट और सऊदी अरब से बाहर जाने वाली टिकट की प्रतियां जमा करें। सलवा सीमा चौकी तक और उसके आगे प्रस्थान हवाई अड्डे तक की यात्रा से संबंधित अन्य सभी व्यवस्थाएं प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं करनी होंगी। कृपया ध्यान दें कि दूतावास को यह सुविधा प्रदान करने के लिए पर्याप्त समय (कम से कम ४८ घंटे) की आवश्यकता होगी। इसके अलावा, भारतीय दूतावास के हेल्पलाइन नंबर .६७४ ५५६४७५०२ या .६७४५५३६२५०८ पर संपर्क कर सकते हैं।

संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में जामिया की आरसीए का जलवा

लखनऊ। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा में एक बार फिर दिल्ली की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी– जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी की रेजिडेंशियल एकेडमी कोचिंग (आरसीए) का जलवा कायम है। आरसीए में सिविल सेवा की तैयारी करने वाले ३८ उम्मीदवारों ने सफलता हासिल की है। सिविल सेवा की महंगी निजी कोचिंग संस्थानों की अपेक्षा आरसीए का रिजल्ट शानदार रहा है। यूपीएससी ने शुक्रवार को २०२५ का परीक्षा परिणाम घोषित किया। राजस्थान के अनुज अग्निहोत्री ने ऑल इंडिया फर्स्ट रैंक प्राप्त की है। आरसीए के एआर राजा मोहिद्दीन ने ऑल इंडिया ७वीं रैंक पाकर टॉप टेन लिस्ट में जगह बनाई है। परिणाम घोषित होने के बाद आरसीए ने अपनी कोचिंग के चयनित उम्मीदवारों की सूची जारी की है। यूपीएससी में इस बार ६५८ अभ्यर्थी चयनित हुए हैं। इसमें इंडियन एडिनिस्ट्रेटि सर्विस के लिए १८०, इंडियन फॉरेन सर्विस के लिए ५० और इंडियन पुलिस सर्विस के लिए १५० अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। इसके अलावा ५०७ अभ्यर्थी केंद्रीय सेवाओं के ग्रुप–ए में चयनित हुए हैं। ग्रुप–बी

सेवाओं के लिए १६५ का चयन हुआ है। यूपीएससी की परीक्षा देश की सबसे प्रतिष्ठत और कठिन परीक्षा है। जिसके जरिये आईएएस, आईपीएस, आईएफएस और अन्य केंद्रीय सेवाओं के ग्रुप–ए और ग्रुप–बी के लिए अफसरों का चयन किया जाता है। इस प्रतिष्ठत परीक्षा में छात्रों से लेकर अभिभावकों तक में जबरदस्त क्रेज रहता है। यही कारण है जब भी यूपीएससी का परिणाम घोषित होता है–देश भर में जश्न की बहार छा जाती। सफलता और संघर्ष के किस्से आम होते हैं।

सम्पादकीय

दोस्ती या संवेदनशीलता का अभाव?

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की लपटें अब भारत की दहलीज तक आ पहुँची हैं। भारतीय जलसीमा के निकट ईरानी जहाज 'इरिस देना' को अमेरिकी सेना द्वारा डुबोया जाना केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि भारत की सामरिक संप्रभुता और अतिथि–सत्कार की परंपरा पर एक गंभीर प्रहार है। यह घटना इसलिए अधिक चिंताजनक है क्योंकि यह जहाज किसी युद्धक मिशन पर नहीं, बल्कि भारत के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा कार्यक्रम 'मिलन' में शामिल होकर वापस लौट रहा था। अमेरिकी युद्ध मंत्री पीटर हेगसेट का इस हमले को 'बड़ी सफलता' बताना यह स्पष्ट करता है कि यह कोई मानवीय चूक नहीं, बल्कि एक सुनियोजित आक्रामक संदेश है। विडंबना यह है कि जिस जहाज को भारत ने अतिथि के रूप में आमंत्रित किया था, उसे भारतीय तटों के पास ही निशाना बनाया गया। यह अमेरिका के उस अहंकार को दर्शाता है जहाँ वह अपने युद्ध के मैदान को परिभाषित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमाओं और मेजबान देश की गरिमा की परवाह करना जरूरी नहीं समझता। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची का यह तर्क कि जहाज 'सुरक्षित मोड' में था और उस पर गैर–लड़ाकू कर्मचारी सवार थे, हमले की क्रूरता को और बढ़ा देता है। अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार, मित्र राष्ट्रों के जलक्षेत्र में ऐसे जहाजों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित होना चाहिए। ट्रंप प्रशासन का यह कदम न केवल अंतरराष्ट्रीय मर्यादाओं को ताक पर रखता है, बल्कि भारत के प्रति उसकी संवेदनशीलता पर भी बड़े सवाल खड़े करता है। भारत के लिए अब यह केवल सिद्धांत का मामला नहीं रह गया है। दुनिया में महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर देश के लिए अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करना पहली शर्त है। पूर्व में वेनेजुएला और ईरान के मुद्दों पर मौन रहकर भारत शायद वैश्विक संतुलन साधने की कोशिश कर रहा था, लेकिन अब आग खुद के घर के करीब है। भारत को इस मामले में केवल चिंता व्यक्त करने के बजाय औपचारिक विरोध और कड़ी आपत्ति दर्ज करानी चाहिए। यदि आज हम अपने श्अतिथिश की सुरक्षा और अपनी सीमा के पास होने वाली हिंसा पर चुप रहते हैं, तो भविष्य में इसके आर्थिक और सामरिक परिणाम और भी गंभीर होंगे। अमेरिकी युद्ध की आंच को भारतीय तटों तक पहुँचने देना हमारी कूटनीतिक विफलता मानी जाएगी। नई दिल्ली को वाशिंगटन को यह स्पष्ट संदेश देना होगा कि भारत का समुद्र शांति का क्षेत्र है, किसी दूसरे के निजी युद्ध का अखाड़ा नहीं। अपनी अंतरराष्ट्रीय हैसियत और प्रतिष्ठा को बचाए रखने के लिए भारत को अब बोलना ही होगा।

बंद होगा संजय सेतु, अब पीपा पुल ढोएगा यातायात

बाराबंकी। राजधानी लखनऊ से बहराइच होते हुए नेपाल को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित संजय सेतु के मरम्मत कार्य को लेकर जल्द ही पुल पर आवागमन बंद किया जाएगा। ऐसे में लोगों के सुगम परिवहन को ध्यान में रखते हुए सरयू नदी पर ६.२८ करोड़ रुपये की लागत से पीपा पुल के निर्माण का कार्य शुरू कर दिया गया है। पुल बनने के बाद दोनो ओर से यातायात निर्बाध रूप से चलता रहेगा। गुरुवार को सरयू नदी में एक प्लाटून डालकर पीपा पुल निर्माण की आधारशिला रखी गई हालांकि नदी का जलस्तर कम होने के कारण किनारे काफी ऊंचे हो गए हैं, जिससे पांटून डालने में दिक्कत आ रही है। इसे देखते हुए दो जेसीबी मशीनों की मदद से नदी में डाल बनाने का कार्य तेजी से कराया जा रहा, ताकि पांटून की कड़ियां एक–एक कर जोड़ी जा सकें। बताया जा रहा है कि कुल २०८ पांटून से दो पीपा पुल बनाए जाएंगे। फिलहाल ५२ पांटून मौके पर पहुंच चुके हैं। इसके अलावा लोहे के तख्त, पीलर, तार, गाटर, रस्से और नट–बोल्ट समेत अन्य निर्माण सामग्री भी जुटाई जा रही। निर्माण कार्य में तीन दर्जन से अधिक मजदूर युद्धस्तर पर लगे हुए हैं, जबकि दो हाइड्रा मशीनें कार्य को गति दे रही हैं। कार्यदायी संस्था के कर्मचारियों के अनुसार यदि सब कुछ योजना के मुताबिक चलता रहा तो इसी माह के अंत तक सरयू नदी पर तैरता हुआ पीपा पुल तैयार हो जाएगा। पीपा पुल बन जाने के बाद लखनऊ से गोंडा, बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती और पड़ोसी राष्ट्र नेपाल तक आवागमन सुगम हो जाएगा। साथ ही आपातकालीन स्थिति में बीमार लोगों को अस्पताल तक पहुंचाने में भी बड़ी राहत मिलेगी।

दूध में मिलावटः आर्थिक अपराध नहीं नैतिक पतन की पराकाष्ठा

डॉ नीलम महेंद्र

भारत आज गर्व से दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश होने का दावा करता है। वैश्विक दूध उत्पादन में हमारी हिस्सेदारी लगभग २५ः है। आंकड़ों की बाजीगरी में हम नंबर वन हैं, लेकिन क्या कभी हमने उस दूध के गिलास की गहराई में झांक कर देखा है जिसे हम श्अमृतश समझकर अपने बच्चों को पिलाते हैं? हालिया रिपोर्ट्स और समाचार पत्रों के दावे चौंकाने वाले ही नहीं, रूह कंपा देने वाले हैं। क्योंकि दुर्भाग्य से आज देश भर में जांचे गए दूध के हर तीन में से एक नमूना जांच में फेल हो रहा है। यह महज एक सांख्यिकीय डेटा नहीं है, बल्कि हमारे सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र की विफलता का अलार्म है। एफएसएसएआई की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष २०१५ से २०१८ के बीच दूध में मिलावट का ग्राफ १६.६४ः था, जो २०२२ तक बढ़कर ३८ः तक पहुंच गया। यानी लगभग हर तीसरा गिलास मिलावटी है। उत्तर भारतीय राज्यों में यह समस्या अधिक विकराल है। दूध के नमूनों में 'नॉन–कन्फर्मिंग' (अमानक) होने की दर उत्तर भारत में करीब ४७ः तक पाई गई है। लेकिन समस्या इतनी भर नहीं है कि दूध में मिलावट के आंकड़े खतरनाक स्तर पर पहुंच गए हैं, चुनौती यह है कि देश की सेहत से जुड़े इस गंभीर मामले को लेकर हमारा तंत्र कितना लापरवाह है। मध्यप्रदेश के ग्वालियर की एक रिपोर्ट बताती है कि पिछले ५ सालों में डेयरी उत्पादों में मिलावट के ४६० केस दर्ज हुए, ३.६६ करोड़ का जुर्माना लगाया गया, लेकिन वसूली शून्य के बराबर रही। जब कानून का क्रियान्वन ही नहीं हो पाता, तो मिलावटखोरों के हौसले बुलंद होना लाजिमी है। क्या हमने कभी सोचा है कि उस एक गिलास मिलावट वाले दूध में वास्तव में क्या है? हम अक्सर सोचते हैं कि मिलावट का मतलब सिर्फ दूध में पानी मिलाना है। काश ऐसा ही होता! पानी से केवल पोषण कम होता है, लेकिन आज जो मिलाया जा रहा है वह सीधे मौत का सामान है! मुनाफाखोरों के लालच की इंतहा यह है कि दूध में झाग बनाने और फैट दिखाने के लिए वाशिंग पाउडर और यूरिया का इस्तेमाल किया जाता है। यह एक सर्वविदित तथ्य है कि यूरिया हमारे गुर्दों (किडनी) पर सीधा प्रहार करता है। इसके अलावा दूध को सफेद और गाढ़ा दिखाने के लिए घटिया दर्जे का तेल और कास्टिक सोडा मिलाया जाता है, जो पाचन तंत्र को पूरी तरह ध्वस्त कर सकता है। दूध को लंबे समय तक फटने से बचाने के लिए हानिकारक रसायनों का प्रयोग होता है, जो भविष्य में कैंसर जैसी घातक बीमारियों का कारण बन सकते हैं। लेकिन लाभ की अंधी दौड़ मासूमों के स्वास्थ्य को कितनी हानि पहुंचा रही है, इस बात की संवेदनशीलता को हम समय रहते समझ जाएं यह आवश्यक है। नहीं तो जो भारत आज इस बात पर इतरा रहा है कि वो विश्व का सबसे युवा देश है उसे बच्चों और युवाओं के सबसे खराब स्वास्थ्य वाला देश बनने में देर नहीं लगेगी। एक मां जब अपने बच्चे को दूध पिलाती है, तो इस विश्वास के साथ कि वह उसे स्वस्थ पोषण दे रही है। लेकिन क्या उस मुनाफेखोर को जरा भी आत्मग्लानि होती है जो चंद रुपयों के लिए वो एक मां की ममता से विश्वासघात कर रहा है? यह केवल एक आर्थिक अपराध

ा नहीं है, यह नैतिक पतन की पराकाष्ठा है। दरअसल भारत में दुग्ध उत्पादन निरंतर बढ़ा है। यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था की शक्ति है। परंतु उत्पादन की गति यदि गुणवत्ता की निगरानी से तेज हो जाए, तो संतुलन बिगड़ता है। मांग बढ़ती है, प्रतिस्पर्धा बढ़ती है, और वहीं से अनैतिक शॉर्टकट का जन्म होता है। यदि निरीक्षण तंत्र अनियमित हो, यदि दंड विलंबित हो, यदि दोषियों को वास्तविक भय न होंतो मिलावट एक "कम जोखिम, अधिक लाभ" का व्यापार बन जाती है। समय–समय पर छापेमारी में मिलावटी घी, खोया और दूध की बड़ी मात्रा जब्त होती है। समाचार प्रकाशित होते हैं। पर क्या हमने यह देखा कि कितने मामलों में त्वरित और कठोर दंड हुआ? कितने लाइसेंस स्थायी रूप से निरस्त हुए? कितनी परीक्षण रिपोर्टें सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराई गईं ताकि नागरिक स्वयं गुणवत्ता जान सकें? पारदर्शिता के बिना विश्वास संभव नहीं। इस समस्या में समाज भी निष्पक्ष दर्शक नहीं है, हम एक जागरूक नागरिक के नाते अपनी जिम्मेदारी से मुंह नहीं चुरा सकते। हम सस्ता विकल्प चुनते हैं, स्रोत नहीं पूछते, लेबल नहीं पढ़ते। हम सुविधा को प्राथमिकता देते हैं और गुणवत्ता को अनुमान पर छोड़ देते हैं। जब उपभोक्ता प्रश्न पूछना बंद कर देता है, तब बाजार उत्तरदायित्व छोड़ देता है। परिणाम स्वरूप आज मुनाफे की यह अंधी दौड़ हमें वहां ले जा रही है जहां हम ऐसी पीढ़ी तैयार कर रहे हैं जो जवानी आने से पहले ही बीमारियों के बोझ तले दबी जा रही है।

आज 'श्वेत क्रांति' 'श्वेत संकट' बन चुका है।

स्थिति की गम्भीरता को देखते हुए सरकारी स्तर पर यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है कि नियमों का कठोरता से पालन हो। नियमित वैज्ञानिक परीक्षण अनिवार्य हों और उनकी रिपोर्ट सार्वजनिक पोर्टल पर उपलब्ध कराई जाए। दोषियों के विरुद्ध त्वरित न्यायिक प्रक्रिया और कठोर आर्थिक दंड सुनिश्चित हों, ताकि मिलावट आर्थिक रूप से अलाभकारी बने। उपभोक्ता के स्तर पर भी जागरूकता उपलब्ध करने को प्राथमिकता दी जाए। इसके लिए परीक्षण किट, सूचना और शिकायत तंत्र तक उसकी सहज पहुँच हो जो आज के डिजिटल इंडिया में कोई कठिन लक्ष्य नहीं है। अगर हम इक्कीसवीं सदी के युवा एवं स्वास्थ्य भारत के स्वप्न को साकार करना चाहते हैं तो हमें अपनी भावी पीढ़ी के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी ही होगी और मिलावट के विरुद्ध कठोर कदम उठाने होंगे। क्योंकि दूध में मिलावट केवल कुछ स्वार्थी और मुनाफाखोर लोगों द्वारा किया गया मात्र खाद्य अथवा आर्थिक अपराध नहीं है। अपितु यह देश के भविष्य के साथ किया गया एक ऐसा खिलवाड़ है जिसके दूरगामी परिणाम पूरे देश को भुगतने होंगे।

(लेखिका पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में हिंदी सलाहकार समिति की सदस्य हैं।)

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ५० क्विक रिस्पॉन्स टीम QRT वाहनों को फ्लैग ऑफ किया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ५० क्विक रिस्पॉन्स टीम (QRT) वाहनों को फ्लैग ऑफ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में

पहली बार कानून व्यवस्था भी चुनाव का मुद्दा बन सकती है और यह उत्तर प्रदेश में हुए बड़े बदलाव का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार ऐसा हुआ कि कोई सरकार अपना पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करने के बाद दोबारा सत्ता में आई। यह २०१७ से २०२२ के बीच उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा किए गए प्रभावी कार्यों का परिणाम है, जिसने एक समय दंगाग्रस्त और कर्फ्यू प्रभावित राज्य की छवि को बदलकर सुरक्षित उत्तर प्रदेश के रूप में स्थापित किया। उन्होंने कहा कि विकास की पहली शर्त सुरक्षा होती है। जब व्यक्ति सुरक्षित नहीं होगा तो उसकी पूंजी और परिवार भी सुरक्षित नहीं रह सकते। उत्तर प्रदेश पुलिस ने इस चुनौती को स्वीकार करते हुए प्रदेश में सुरक्षा का माहौल बनाया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष २०१७ में उत्तर प्रदेश पुलिस के पास पीआरवी (PRV) के लगभग ६५०० वाहन थे, जो अब बढ़कर १५,५०० से अधिक हो गए हैं। इसी प्रकार २०१७ में पुलिस के पास करीब ३००० दोपहिया वाहन थे, जिनकी संख्या अब ६२०० से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि यह केवल संख्या में वृद्धि नहीं है, बल्कि इससे पुलिस के रिस्प न्स टाइम को कम करने में बड़ी सफलता मिली है। योगी ने कहा कि आपातकालीन स्थिति में त्वरित कार्रवाई से ही जनता का विश्वास बढ़ता है और यही विश्वास प्रशासनिक परिवर्तन का आधार बनता है। प्रदेश में म डल थाने और मॉडल फायर स्टेशन विकसित किए जा रहे हैं, जिससे पुलिसिंग को और आधुनिक बनाया जा सके। उन्होंने पुलिस भर्ती और प्रशिक्षण व्यवस्था में हुए बदलावों का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि २०१७ में प्रदेश में पुलिस प्रशिक्षण की क्षमता एक समय में केवल ३००० अभ्यर्थियों की थी, जिससे बड़ी संख्या में भर्ती करना चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने कहा कि उस समय अन्य राज्यों, सेना और पैरामिलिट्री के प्रशिक्षण केंद्रों की मदद लेकर क्षमता को लगभग ३० हजार तक पहुंचाया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है और वर्तमान में ६०,२४४ पुलिस कार्मिकों की भर्ती की गई है, जिनकी ट्रेनिंग उत्तर प्रदेश के ही प्रशिक्षण केंद्रों में कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि सुध ारों के बिना परिवर्तन संभव नहीं है और पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में कानून व्यवस्था और पुलिस व्यवस्था में व्यापक सुधार किए गए हैं।

अपराधियों में कानून और पुलिस का डर नहीं, भाजपा सरकार ने प्रदेश को बर्बादी की ओर धकेला : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश को बर्बादी की ओर धकेल दिया है और हत्या, लूट तथा दुष्कर्म जैसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार पर श्जीरो ट लरेंसश का दावा पूरी तरह झूठा साबित हो चुका है। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा सरकार के कामकाज से परेशान है। सरकार और मुख्यमंत्री झूठे आंकड़ों के सहारे जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि हकीकत यह है कि प्रदेश में कोई भी सुरक्षित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि अपराधी तत्व सत्ता के संरक्षण में बेलगाम हो गए हैं और खुलेआम अपराधों को अंजाम दे रहे हैं। उन्होने हाल की कई घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि जौनपुर के लाइन बाजार थाना क्षेत्र में परिवहन निगम की अनुबंधित बस के चालक ललई यादव की पीट–पीटकर हत्या कर दी गई। उन्होंने बताया कि मुख्य आरोपी ने सड़क पर ही ललई

यादव की गर्दन पर पैर रखकर उसे दबा दिया। सपा प्रमुख ने कहा कि अपराधियों में कानून और पुलिस का कोई डर नहीं रह गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार निष्क्रिय हो चुकी है और प्रदेश में विभिन्न प्रकार के माफिया सक्रिय हैं, जो जनता को लूट रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा सरकार से त्रस्त हो चुकी है और वर्ष २०२७ के विधानसभा चुनाव में जनता इस सरकार को हटाने का मन बना चुकी है।

होली पर अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला, 'पीडीए सरकार' बनाने का किया आह्वान

लखनऊ। अखिलेश यादव ने मंगलवार को अपने पैतृक गांव सैफई में पार्टी कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों के साथ होली मनाई। इस दौरान उन्होंने आगामी चुनाव में 'पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक)' सरकार बनाने का आह्वान किया और विभिन्न मुद्दों को लेकर भाजपा पर तीखा प्रहार किया। फूलों की होली खेलते हुए सपा प्रमुख ने शंकराचार्य से जुड़े कथित अपमान के प्रकरण का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि "हमारे पूज्य शंकराचार्य जी को आहत किया गया। पीडीए हर उस व्यक्ति के साथ खड़ा होगा जो उत्पीड़ित, आहत या अपमानित है।" उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने इस मामले को सुलझाने के बजाय अहंकारपूर्ण रवैया अपनाया और षड्यंत्रपूर्वक मुकदमे दर्ज किए गए। भाजपा पर निशाना साधते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि जो लोग स्वयं को सनातन धर्म का सबसे बड़ा अनुयायी बताते हैं, वे बेनकाब हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि गीता में स्पष्ट है कि जो दूसरों के दुख को अपना दुख समझे वही सच्चा योगी है, केवल विशेष वस्त्र धारण करने से कोई योगी नहीं बन जाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की हालिया जापान यात्रा का उल्लेख करते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि सरकार पहले बड़े निवेश समझौतों

का दावा कर चुकी है, अब एक लाख करोड़ रुपये के नए एमओयू की बात कही जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का समय समाप्त हो चुका है और जनता परिवर्तन चाहती है। अखिलेश यादव ने महंगाई को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं और आम जनता पर बोझ बढ़ रहा है। सपा सरकार बनने पर किसानों के कल्याण को प्राथमिकता देने का वादा करते हुए उन्होंने कहा कि जब किसान मजबूत होता है तो समाज और प्रदेश दोनों प्रगति करते हैं। विदेश नीति पर भी टिप्पणी करते हुए सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने देश की विदेश नीति को कमजोर किया है। उन्होंने कहा कि सपा हमेशा युद्ध के खिलाफ रही है और महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के संदेश के अनुरूप शांति की पक्षधर है। साथ ही उन्होंने आर्थिक नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि कृषि और व्यापार से जुड़े फैसलों को विदेशी समझौतों से इस प्रकार जोड़ा जा रहा है, जिससे घरेलू उत्पादकों को नुकसान हो सकता है।

जेवर एयरपोर्ट पर जल्द शुरू होंगी उड़ानें, BCAS से मिला सिक्योरिटी वेटिंग क्लीयरेंस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार को जेवर एयरपोर्ट से उड़ान संचालित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मिली है। एयरपोर्ट को ब्यूरो आफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (बीसीएएस) की ओर से सिक्योरिटी वेटिंग क्लीयरेंस मिल गया है। इसके साथ ही अब डायरेक्टर जनरल आफ सिविल एविएशन से एयरोड्रम लाइसेंस मिलने का रास्ता भी लगभग साफ हो गया है। लाइसेंस जारी होने के बाद यहां से व्यावसायिक उड़ानों का संचालन शुरू किया जा सकेगा।

यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथ रिटी (यीडा) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह के अनुसार, किसी भी एयरपोर्ट पर उड़ान संचालन से पहले सुरक्षा मानकों की विस्तृत जांच अनिवार्य होती है। इसके तहत बीसीएएस की टीम एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था, निगरानी प्रणाली, एक्सेस कंट्रोल, यात्रियों और कार्गो की जांच प्रक्रिया सहित कई पहलुओं का निरीक्षण करती है। सभी मानकों के अनुरूप पाए जाने के बाद ही सिक्योरिटी वेटिंग क्लीयरेंस प्रदान किया जाता है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा मंजूरी मिलने के बाद अगला महत्वपूर्ण चरण डीजीसीए द्वारा एयरोड्रम लाइसेंस जारी करना होता है। यह लाइसेंस मिलने के बाद ही किसी एयरपोर्ट से नियमित फ्लाइट अ परेशंस शुरू किए जा सकते हैं। प्रदेश सरकार का कहना है कि जेवर एयरपोर्ट को जल्द से जल्द अ परेशनल बनाने के लिए सभी आवश्यक प्रक्रियाएं तेजी से पूरी की जा रही हैं। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विकसित हो रहा यह एयरपोर्ट प्रदेश की सबसे बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में से एक माना जा रहा है। सरकार के अनुसार इसके शुरू होने से पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजध ानी क्षेत्र में निवेश, पर्यटन, ल जिस्टिक्स और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही बड़ी संख्या में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। गौरतलब है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को कई चरणों में विकसित किया जा रहा है। पूर्ण रूप से तैयार होने के बाद यह देश के सबसे बड़े और आधुनिक एयरपोर्ट्स में शामिल होगा और उत्तर प्रदेश को वैश्विक एविएशन नेटवर्क से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

शिक्षा प्रणाली पर आरएसएस का कब्जा, राहुल गांधी बोले- भारत एआई में कुछ नहीं बना रहा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि भारतीय उच्च शिक्षा पर वैचारिक हमला हो रहा है और एक खास तरह की विचारधारा थोपी जा रही है। उन्होंने केरल के मारियन क लेज कुट्टिक्कानम (स्वायत्त) में छात्रों से बातचीत के दौरान ये बातें कहीं। उन्होंने आगे कहा कि अगर आप कुलपतियों को देखें, तो उनमें से बड़ी संख्या में कुलपति इसलिए बनाए जाते हैं क्योंकि वे आरएसएस से जुड़े हैं। बेशक, इसे रोकना होगा। भारतीय शिक्षा प्रणाली को विशेष रूप से आरएसएस के विभाजनकारी ष्टिकोण तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए। विपक्ष के नेता ने यह भी दावा किया कि भारत एआई के आगमन में सफल नहीं रहा है, और ऐसा प्रतीत होता है कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष कर रहे थे, जिन्होंने देश की क्षमता और भविष्य में वैश्विक स्तर पर एक शक्तिशाली देश बनने के ष्टिकोण को बढ़ावा दिया था। राहुल गांधी ने बातचीत के दौरान कहा, "एआई के क्षेत्र में दो ही खिलाड़ी हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन। दुर्भाग्य से, भारत रोबोटिक्स, एआई या आधुनिक प्रौद्योगिकी, किसी भी क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी नहीं है। निश्चित रूप से, अमेरिका या

चीन की तुलना में तो बिल्कुल भी नहीं। आपने एआई शिखर सम्मेलन में ही देखा कि एक चीनी रोबोट भारतीय रोबोट होने का दिखावा कर रहा था। अगर आप एआई में शक्तिशाली बनना चाहते हैं, तो आपको अपने डेटा पर नियंत्रण रखना होगा... प्रधानमंत्री द्वारा हाल ही में किए गए अमेरिकी समझौते के तहत हमारा सारा डेटा संयुक्त राज्य अमेरिका को सौंप दिया गया है... हमने पिछले कुछ हफ्तों में एआई में अपनी क्षमता को बहुत नुकसान पहुंचाया है। सेवा और स फ्टवेयर उद्योग में नौकरियां, जो हमारे देश की अर्थव्यवस्था का आधार थीं, एआई के कारण खत्म हो जाएंगी। मुझे चिंता है कि डेटा, विनिर्माण और गतिशीलता के क्षेत्र में एक परिवर्तन हो रहा है, और हम बस इसे देख रहे हैं। चीनी रोबोट के बारे में उनकी टिप्पणी भारत एआई शिखर सम्मेलन में गैलगोटिया विश्वविद्यालय के विवाद के संदर्भ में थी, जहां उन्होंने एक चीनी रोबोड ग को अपनी रचना के रूप में प्रदर्शित किया था। इस घटना ने भारी विवाद खड़ा कर दिया था। इसके अलावा, एआई का बढ़ता उपयोग विश्व भर में, विशेष रूप से बड़ी कंपनियों में हो रही व्यापक छंटनी के बीच, एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। राहुल गांधी ने हाल ही में हुए भारत–अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर भी कटाक्ष किया, जिसकी विपक्ष ने किसानों के खिलाफ जाने का दावा करते हुए कड़ी आलोचना की है।

पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार पर कांग्रेस का हल्ला बोल, राजा वारिंग बोले- वादे भूले, कर्ज में डुबोया

नई दिल्ली। पंजाब भर से हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी सरकार के खिलाफ जनता से किए गए वादों को पूरा न करने के विरोध में एक विशाल प्रदर्शन किया। पार्टी ने विशेष रूप से महिलाओं को हर महीने १००० रुपये देने के वादे का जिक्र किया, जिसे

पूरा नहीं किया गया है, और मांग की कि सरकार चार साल के बकाया के साथ इसका भुगतान करे। एक विज्ञप्ति के अनुसार, पार्टी नेताओं ने सरकार की व्यापक विफलता, विशेष रूप से राज्य में कानून–व्यवस्था और अर्थव्यवस्था के चरमरा जाने के लिए उसकी कड़ी आलोचना की। कांग्रेस ने बजट सत्र के पहले दिन पंजाब विधानसभा का घेराव करने की योजना बनाई थी। पार्टी कार्यकर्ता पंजाब विधानसभा की ओर मार्च करने से पहले कांग्रेस भवन के बाहर जमा हुए थे। हालांकि, पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया और विधानसभा तक पहुंचने से रोक दिया, जिसकी सुरक्षा किसी छावनी की तरह कड़ी कर दी गई थी। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को विधानसभा तक पहुंचने से रोकने के लिए सभा स्थल पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पंजाब प्रदेश कांग्रेस (पीपीसी) के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने कहा कि सरकार और मुख्यमंत्री पूरी तरह विफल रहे हैं। उन्होंने बताया कि राज्य का कर्ज चार लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है और बहुत जल्द ४.१७ लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है। उन्होंने कहा कि पंजाब में एक पैसा भी खर्च नहीं किया गया, और आम आदमी पार्टी ने इसे दिल्ली, गुजरात और गोवा जैसे राज्यों में चुनाव लड़ने में बर्बाद कर दिया। उन्होंने बताया कि बुनियादी ढांचे के लिए कहीं भी एक ईंट भी नहीं रखी गई है। उन्होंने कहा कि हजारों करोड़ रुपये सिर्फ विज्ञापनों पर खर्च किए गए हैं। पंजाब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने आम आदमी पार्टी (आप) को महिलाओं को १००० रुपये मासिक वजीफा देने, कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को फिर से शुरू करने, लंबित महंगाई भत्ता (डीए) और रेत खनन से २०,००० करोड़ रुपये का राजस्व जुटाने के दावों की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के चार साल के कुशासन के बाद अब पंजाब की जनता जवाब मांग रही है।

रूस से तेल पर अमेरिका की 'अनुमति' पर खुर्शीद का सवाल- क्या भारत को अपने हित का अधिकार नहीं?

नई दिल्ली। अमेरिका द्वारा भारत को रूसी तेल खरीदने की अनुमति देने वाली ३० दिन की छूट को लेकर बढ़ते हंगामे के बीच, पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा अपनाई गई विदेश नीति और राजनयिक प्रयासों से कोई परिणाम नहीं निकला है, और सवाल उठाया

कि क्या भारत को अपने हित में कार्य करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि भारत को यह अनुमति दी जा रही है कि वह क्या कार्रवाई कर सकता है, यह ष्बेहद खतरनाकष् है। खुर्शीद ने एएनआई से कहा कि यह बेहद खतरनाक है कि हम समय–समय पर आपको यह अनुमति देते रहेंगे कि आप क्या कर सकते हैं और क्या नहीं कर सकते। क्या भारत की स्थिति अब ऐसी हो गई है कि वह केवल दूसरों की अनुमति से ही कार्य करेगा? क्या भारत को अब अपने हित में कार्य करने का अधिकार नहीं है? यह एक प्रश्न है। इस पर चर्चा होनी चाहिए। वरिष्ठ नेता ने कटाक्ष करते हुए कहा कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार को अपनी विदेश नीति की जानकारी नहीं है, और राजनयिक प्रयासों का कोई स्पष्ट परिणाम नहीं दिख रहा है। खुर्शीद ने कहा कि हम सरकार की विदेश नीति पर टिप्पणी नहीं कर सकते, जब सरकार खुद अपनी नीति नहीं जानती। हमें अभी तक सरकार की नीति के बारे में पता नहीं चला है। आप (मीडिया) हमें बताते हैं कि उन्होंने (सरकार ने) रायसीना में या कहीं और फोन पर बात की। अच्छी बात है कि उन्होंने बात की, लेकिन नतीजा क्या निकला? परिणाम दिखाई नहीं दे रहा है, है ना? विदेश नीति का समर्थन या विरोध ा तभी किया जा सकता है जब उसके परिणाम सामने आएं। लेकिन इसका नतीजा क्या निकला? (राजनयिक प्रयासों का) परिणाम और (उसके पीछे का) तर्क समझ से परे है। हमें सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में बताया ही नहीं जाता, तो हम उस पर क्या टिप्पणी कर सकते हैं? हिंद महासागर में निहत्थे ईरानी युद्धपोत आईरिस देना पर अमेरिकी हमले के बारे में बोलते हुए, जिसमें ८७ नाविक मारे गए। खुर्शीद ने कहा कि अगर अमेरिका, जिसे हम दोस्त कहते हैं, पर हमारे घर के ठीक पास हमला करता है और हमें सूचित भी नहीं करता, तो हमारी हैसियत या अस्तित्व क्या रह जाता है? उन्होंने (अमेरिका ने) हमें सूचित किया है, तो यह और भी अधिक चिंता का विषय बन जाता है। कांग्रेस नेता २८ फरवरी को अमेरिका–इजराइल के सैन्य हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या पर शोक व्यक्त करने के लिए पार्टी के प्रतिनिधिमंडल द्वारा नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास का दौरा करने के बाद बोल रहे थे।

इंडिगो यात्रियों के लिए बड़ी राहत, मध्य पूर्व फ्लाइट्स पर ३१ मार्च तक पाएं Free Cancellation

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइन ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह मध्य पूर्व और इस्तांबुल, तुर्की से आने–जाने वाली उड़ानों के लिए टिकट रद्द करने पर मिलने वाली छूट को ३१ मार्च तक बढ़ा रही है। इंडिगो ने कहा कि वह प्रभावित क्षेत्र में हो रहे घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रख रही है और अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया चौनलों पर लगातार अपडेट प्रकाशित कर रही है। इंडिगो ने बुधवार को कहा कि ईरान और अन्य खाड़ी देशों पर लागू हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों के चलते उसने २८ फरवरी से ३ मार्च तक मध्य पूर्व और कुछ चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए ५०० से अधिक उड़ानें रद्द कर दी हैं। एक नियामक रिपोर्ट में एयरलाइन ने कहा कि वह इस स्थिति से उत्पन्न राजस्व पर पड़ने वाले प्रभाव की बारीकी से निगरानी करना जारी रखेगी। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष के कारण मध्य पूर्व में हवाई क्षेत्र पर लगे प्रतिबंधों से २८

फरवरी से उड़ान सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। इंडिगो ने कहा कि २८ फरवरी से ३ मार्च के बीच मध्य पूर्व और चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए ५०० से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। कंपनी ने अपनी रिपोर्ट में कहा, ष्हमारी परिचालन टीमें क्षेत्रीय परिस्थितियों का लगातार आकलन कर रही हैं, उड़ान समय–सारणी में बदलाव कर रही हैं और भारत तथा संबंधित अंतरराष्ट्रीय प्राधिकरणों के समन्वय से यात्रियों को होने वाली असुविधा को कम करने के उद्देश्य से स्वदेश वापसी अभियानों की योजना बना रही हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि मौजूदा स्थिति के कारण (३ मार्च तक) भारतीय विमानों की १,२२१ और विदेशी विमानों की ३८८ उड़ानें रद्द कर दी गई हैं।मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, ३ मार्च को भारत से रवाना होने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या ३५६ थी, जबकि देश के विभिन्न अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर ३३८ अंतरराष्ट्रीय उड़ानें उतरीं।

भाजपा ने जारी किया सांसदों के लिए व्हिप, ९–१० मार्च को लोकसभा में मौजूद रहने के दिए निर्देश

नई दिल्ली। भाजपा ने शुक्रवार को अपने लोकसभा सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी किया, जिसमें उन्हें अगले हफ्ते सदन में मौजूद रहने का निर्देश दिया गया है, जब बजट सेशन का दूसरा फेज शुरू होगा। पार्टी की ओर से कहा गया है कि ९–१० मार्च को सदन में बहुत महत्वपूर्ण विधायी कार्य पर चर्चा होगी और इसलिए उनकी उपस्थिति आवश्यक है। लोकसभा में सभी भाजपा सांसदों को ये निर्देश ऐसे समय में दिए गए हैं जब सदन में विपक्ष के खिलाफ कथित भेदभाव और एकतरफा रवैये को लेकर स्पीकर ओम बिरला को हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा हो सकती है। भाजपा के व्हिप, जिस पर ६ मार्च की तारीख है और लोकसभा में भाजपा के चीफ व्हिप डॉ. संजय जायसवाल के साइन हैं, ने कहा, ष्सभी भाजपा सांसदों को सूचित किया जाता है कि लोकसभा में सोमवार, ६ मार्च और १० मार्च को कुछ बहुत जरूरी लेजिस्लेटिव काम पास होने के लिए रखे जाएंगे। इसलिए, लोकसभा के सभी सदस्यों से अनुरोध है कि वे दोनों दिन सदन में जरूर मौजूद रहें और सरकार के रुख का समर्थन करें।' रिपोर्ट्स के अनुसार, लोकसभा में ६ मार्च

को ही स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष का लाया गया प्रस्ताव चर्चा के लिए आ सकता है। इस दिन स्पीकर ओम बिरला के भी मौजूद रहने की संभावना है। हालांकि, उनके सदन की कार्यवाही की अध्यक्षता करने की संभावना नहीं है क्योंकि जिस दिन विपक्ष ने उनके खिलाफ प्रस्ताव पेश किया था, उसी दिन उन्होंने कार्यवाही से खुद को अलग करने की कसम खाई थी। तय नियमों और गाइडलाइंस के मुताबिक, स्पीकर बिरला को सदन में प्रस्ताव आने पर उसके खिलाफ वोट करने का अधिकार होगा। बता दें कि विपक्ष के १०० से ज्यादा सदस्यों ने लोकसभा स्पीकर के खिलाफ प्रस्ताव का नोटिस दिया था। कांग्रेस और विपक्ष स्पीकर के राहुल गांधी के प्रति कथित भेदभाव से गुस्से में थे, उन्होंने उन पर कई आरोप लगाए, जिसमें दावा किया गया कि विपक्ष के नेता को राष्ट्रपति के भाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देने का मौका नहीं दिया गया, गलवान में झड़प के दौरान चीनी सैनिकों के श्आगे बढ़नेश की खतरनाक रिपोर्ट उठाने का उनका अधिकार छीन लिया गया और जब विपक्ष ने इसका विरोध किया, तो उनमें से आठ को सस्पेंड कर दिया गया। खास बात यह है कि कांग्रेस पार्टी ने भी अपने लोकसभा सांसदों को ऐसा ही व्हिप जारी किया है, जिसमें उन्हें ६ मार्च से ११ मार्च तक तीन दिनों के लिए सदन में मौजूद रहने को कहा गया है।

बाराबंकी के लालों का UPSC में कमालः अभिजीत पहले प्रयास में बने IAS अनुपम का IRS में चयन

बाराबंकी। संघ लोक सेवा आयोग (**UPSC**) की सिविल सेवा परीक्षा में बाराबंकी के दो होनहारों ने अपनी मेधा का लोहा मनवाया है। लखपेड़ाबाग के अभिजीत नंदन वर्मा ने अपने पहले ही प्रयास में २९४वीं

रैंक हासिल कर **IAS** बनने का सपना पूरा किया, वहीं वर्तमान में अयोध्या (सोहावल) में तैनात बीडीओ अनुपम वर्मा ने ६८१वीं रैंक के साथ भारतीय राजस्व सेवा (**IRS**) में स्थान बनाकर जिले का मान बढ़ाया है। आवास विकास कॉलोनी निवासी और रामसेवक यादव इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. जगन्नाथ वर्मा के पुत्र अभिजीत ने अपनी सफलता का मंत्र साझा करते हुए बताया: खड़गपुर से इंजीनियरिंग के बाद सीधे सिविल सेवा की तैयारी। पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों का विश्लेषण और सिलेबस पर केंद्रित अध्ययन। युवाओं को नियमित अखबार पढ़ने और करंट अफेयर्स पर पकड़ बनाने की सलाह दी। मसौली के मुबारकपुर निवासी अनुपम वर्मा वर्तमान में सोहावल में खण्ड विकास अधिकारी (**BDO**) के पद पर कार्यरत हैं। ड्यूटी की जिम्मेदारियों के बीच उन्होंने अपनी तैयारी जारी रखी। उनकी सफलता की मुख्य बातेंः पता सुरेंद्र सिंह, शिक्षा मित्र मां पूनम और कांस्टेबल चाचा राजकुमार के सहयोग को सफलता का आधार बताया। 'अगर लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत सच्ची हो, तो कोई भी मंजिल दूर नहीं।' इन दोनों युवाओं की उपलब्धि से जनपद में जश्न का माहौल है और शुभचिंतकों द्वारा बधाई देने का सिलसिला लगातार जारी है।

उत्तर प्रदेश में Fuel Shortage की अफवाह से मचा हड़कंप, Middle East संकट के बीच पेट्रोल पंपों पर भीड़

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में पेट्रोल पंपों पर अफरा–तफरी मच गई, जब निवासियों के बीच ईंधन की कमी की अफवाहें फैलने लगीं। खीरी जिले के निघासन, पल्लिया और भीरा जैसे इलाकों में पेट्रोल पंपों पर लोगों की लंबी कतारें देखी गईं, जहां पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण आपूर्ति खत्म होने के डर से कई लोग पेट्रोल और डीजल खरीदने के लिए दौड़ पड़े। इस स्थिति के कारण कई पेट्रोल पंपों पर अस्थायी रूप से जाम लग गया, क्योंकि वाहन चालक ईंधन का स्टॉक करने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, स्थानीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिले में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति में कोई बाधा नहीं है और निवासियों से अपुष्ट सूचनाओं पर विश्वास न करने का आग्रह किया। जिला आपूर्ति अधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा कि कमी की खबरें गलत हैं। सिंह ने पीटीआई को बताया, 'खेरी जिले में पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कमी की अफवाहें निराधार हैं।' उन्होंने कहा कि ईंधन और एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और लोगों को सलाह दी कि वे केवल अपनी सामान्य जरूरतों के अनुसार ही खरीदारी करें। सिंह ने यह भी चेतावनी दी कि पेट्रोलियम उत्पादों की जमाखोरी करते पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जिला मजिस्ट्रेट दुर्गा शक्ति नागपाल ने भी स्थिति को संबोधित करते हुए निवासियों से शांति बनाए रखने की अपील की। ''उन्होंने जनता को आश्वासन दिया कि जिले भर में पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति सामान्य है। इस बीच, स्थानीय ईंधन और एलपीजी वितरकों के प्रतिनिधियों ने भी पुष्टि की कि आपूर्ति स्थिर है। खेरी पेट्रोलियम ट्रेडर्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष अभिषेक दीक्षित ने कहा कि जिले के पेट्रोल पंपों पर उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त ईंधन उपलब्ध है। इसी तरह, एलपीजी वितरक संघ के जिला अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने कहा कि एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और उन्होंने निवासियों से अफवाहों पर घबराने की अपील की। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति पर्याप्त है और वैकल्पिक स्रोतों की भी खोज की जा रही है। मध्य पूर्व में बढ़ते संकट के बीच, अमेरिका ने भारत को रूस से तेल खरीदने की अनुमति देकर भारत के लिए एक और बड़ी राहत दी है।

होली पर रंग डालने को लेकर बाराबंकी में बवाल... दो पक्ष भिड़े, ११ घायल

बाराबंकी। पुलिस ने बताया कि उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के एक गांव में होली के दिन रंगों से खेलने को लेकर हुए विवाद ने दो गुटों के बीच हिंसक झड़प का रूप ले लिया, जिसमें कम से कम ११ लोग घायल हो गए। यह घटना बुधवार दोपहर उत्तर प्रदेश के टिकारिया गांव में घटी। पुलिस के

अनुसार, रंगों से खेलने को लेकर दोनों गुटों के बीच हुई कहासुनी जल्द ही खूनी झड़प में तब्दील हो गई। आरोप है कि दोनों गुटों ने करीब १० मिनट तक एक–दूसरे पर लाठियों, डंडों और लोहे की छड़ों से हमला किया, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों ने हस्तक्षेप किया और स्थिति को नियंत्रण में लाने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने दोनों पक्षों को शांत कराया। ग्रामीणों ने बताया कि एक पक्ष के आठ और दूसरे पक्ष के तीन लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि सभी घायलों को चिकित्सा जांच के लिए भेजा गया है। एक ग्रामीण अवधेश ने आरोप लगाया कि जब घर में कोई पुरुष सदस्य नहीं था, तब विरोधी गुट के सदस्य उसके घर में घुस आए और उसके परिवार पर हमला किया। उसने दावा किया कि जब वह और अन्य लोग वहां पहुंचे और बीच–बचाव करने की कोशिश की, तो उन्हें भी पीटा गया। अवधेश ने आगे आरोप लगाया कि चार लोगों ने उसे पकड़ लिया और चाकू से उस पर हमला किया। पुलिस ने बताया कि झड़प के बाद गांव में तनाव फैल गया था, लेकिन फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। देवा थाना अधिकारी अजय कुमार त्रिपाठी ने बताया कि दोनों पक्षों ने शिकायतें दर्ज कराई हैं और उनके आधार पर मामला दर्ज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि घायलों की चिकित्सा जांच की जा रही है। जांच के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस घटना से संबंधित वीडियो की भी जांच कर रही है और निवासियों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

'भ्रामक', अफवाह फैलाने वालों पर एफ आई आर होगी दर्ज, सुनील मलिक।

गोला गोकर्णनाथ खीरी। थानाध्यक्ष हैदराबाद सुनील मलिक ने यह संदेश जारी करते हुये बताया कि जनपद लखीमपुर खीरी प्रशासन ने सोशल मीडिया पर पेट्रोल और डीजल की किल्लत को लेकर चल रही खबरों का खंडन करते हुए इसे पूरी तरह निराधार और भ्रामक बताया है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनपद में ईंधन की कोई कमी नहीं है और आपूर्ति व्यवस्था सुचारू रूप से जारी है। ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता प्रशासन द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि जनपद के सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है। सप्लाई चेन पूरी तरह सामान्य है और नागरिकों को घबराने की कतई, आवश्यकता नहीं है। अफवाहों से बचें, न करें साझा घजिलाधिकारी एवं पुलिस प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित की जा रही किसी भी अपुष्ट खबर पर विश्वास न करें। 'ऐसी भ्रांमक सूचनाओं को आगे फ रवर्ड या साझा न करें, जिससे जनता में अनावश्यक घबराहट पैदा हो। 'कठोर कार्रवाई के निर्देश प्रशासनिक अधिकारियों ने सख्त चेतावनी दी है कि सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स की निगरानी की जा रही है। जो भी व्यक्ति शांति व्यवस्था भंग करने या भ्रामक सूचना फैलाने का दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध तत्काल एफआईआर (**FIR**) दर्ज कर कठोर विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

अवैध प्लाटिंग पर केडीए की कार्रवाई, 19.5 बीघे में निर्माण ध्वस्त

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने शुक्रवार को जोन–१बी क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब १६.५ बीघे में विकसित की जा रही अवैध क लोनियों के निर्माण को ध्वस्त कर दिया। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल और सचिव अभय कुमार पाण्डेय के निर्देश पर विशेष कार्याधिकारी/उपजिलाधिकारी डॉ. रवि प्रताप सिंह के नेतृत्व में ग्राम धरमपुर क्षेत्र में यह कार्रवाई की गई। प्राधिकरण के अनुसार पन्ना लाल, अदन पुत्र भरोसा, पूजा यादव पत्नी रामचन्द्र, राकेश दीक्षित, सती प्रसाद समेत अन्य लोगों द्वारा करीब सात बीघे में बिना स्वीकृति प्लाटिंग विकसित की जा रही थी, जिसे ध्वस्त किया गया। इसी तरह मैसर्स मां डेवलपर्स की ओर से सुनील कुमार गौर, चेतन बाजपेई तथा अन्य द्वारा लगभग ५.५ बीघे में विकसित की जा रही अवैध प्लाटिंग पर भी बुलडोजर चलाया गया। इसके अलावा सुनील कुमार, मृदुल

जौहरी, राधेश्याम पुत्र गंगाराम, सूरजवली, शंकर लाल, मोहन लाल व अन्य द्वारा करीब सात बीघे में की जा रही अनाधिंत प्लाटिंग को भी ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान तीन अलग–अलग अवैध साइटों पर बनाए गए प्रवेश द्वार, सड़क, नाला, बाउंड्रीवाल, बिजली के खम्भे, पिलर तथा निर्मित, अर्द्धनिर्मित और निर्माणाधीन भवनों को तीन जेसीबी मशीनों की मदद से गिरा दिया गया। साथ ही प्रवेश मार्गों को गहरा कर दिया गया ताकि वहां से आवागमन न हो सके। डॉ. रवि प्रताप सिंह ने बताया कि बिना प्राधिकरण की अनुमति के जमीन की प्लाटिंग कर भोले–भाले लोगों को प्लाट बेचे जा रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की प्लाटिंग से पहले केडीए से मानचित्र स्वीकृति और अनुमति लेना अनिवार्य है। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि केवल केडीए से स्वीकृत कॉलोनियों में ही प्लाट खरीदें तथा प्लाट लेने से पहले नक्शा और ले–आउट की जांच कर प्राधिकरण से जानकारी अवश्य प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि अवैध प्लाटिंग के खिलाफ आगे भी अभियान चलाकर निरोधात्मक कार्रवाई जारी रहेगी।

अमेरिका, इजराइल, ईरान युद्ध का कारोबार पर असर, १० फीसदी निर्यात ऑर्डर रुके

कानपुर। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध का असर अब शहर के निर्यात कारोबार पर भी पड़ने लगा है। युद्ध के चलते शहर के निर्यातकों के लगभग १० फीसदी ऑर्डर रुक गए हैं। इनमें टेक्सटाइल और लेदर के उत्पाद सबसे अधिक है। निर्यात विशेषज्ञों का मानना है कि यदि युद्ध लंबे समय तक खिंचता है तो ऑर्डर कैंसिल होने की संभावना खड़ी हो सकती है। फिलहाल अमेरिका व यूरोप के ऑर्डर सबसे अधिक रुक रहे हैं। शहर के निर्यात ऑर्डर रुकने की सबसे बड़ी वजह समुद्री व हवाई मार्ग का बाधित हो जाना माना जा रहा है। इसके अलावा इस युद्ध के दौरान कार्गो कंपनियों की ओर से अधिक संभावित भाड़ा व इंश्योरेंस की रकम भी मानी जा रही है। अमेरिका की ओर से भारत पर टैरिफ लगाए जाने के बाद हाथ में आए ऑर्डर पर खरीदार की ओर से रुकने की यह स्थिति दूसरी बार वैश्विक बाजार में सामने आ रही है। ऐसे में टैरिफ से प्रभावित हुए निर्यात कारोबार में यह स्थिति पनपना निर्यात कारोबार के लिए अच्छा संकेत नहीं माना जा रहा है। निर्यात विशेषज्ञों का कहना है कि विदेशी खरीदारों की ओर से जरूरत पर ही दूसरे देशों में ऑर्डर दिया जाता है। ऐसे में वे बाजार की बेहद विपरीत परिस्थितियों में ही ऑर्डर को होल्ड करने या फिर उत्पादन को रोकने जैसे निर्णय लेता है। निर्यात बाजार पर पैदा हुई नई स्थिति पर फेडेरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑग्रनाईजेशन (फियो) के सहायक निदेशक आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि फिलहाल वैश्विक स्तर पर जो निर्यात की स्थिति बन रही है वह काफी घातक हैं। शहर की बात की जाए तो खरीदारों की ओर से ऑर्डर के रोके जाने के निर्णय आने शुरू हो गए हैं। खाड़ी देशों से गुजरने वाले जल मार्ग के रास्ते यदि आम उत्पादों के लिए जल्द सुलभ न हुए तो ऑर्डर पर और अधिक विपरीत असर पड़ सकता है। मार्च महीने में खाड़ी देशों में खराब हुए हालात का असर अब निर्यातकों को नए ऑर्डर पर भी पड़ना शुरू हो गया है। ऐसे ऑर्डर जिनपर फिलहाल बातचीत चल रही है उन्हें भी विदेशी खरीदारों ने एक महीने के लिए टाल दिया है। इसकी वजह कार्गो के किराए और इंश्योरेंस के दामों पर पड़ रहे असर हैं। इन दोनो ही सुविधाओं के महंगे होने के चलते उत्पादों के दामों पर असर पड़ रहा है। यही वजह है कि नए ऑर्डर फिलहाल होल्ड की स्थिति पर आकर खड़े हो गए हैं। शहर में युद्ध की वजह से निर्यात कारोबार पर पड़ रहे असर से नए निर्यातक सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। टैरिफ के बाद से विदेशी खरीदारों की ओर से उपेक्षित नए निर्यातकों के सामने अब और बड़ी मुश्किल खड़ी हो गई है। उनकी पूंजी के मुकाबले कारोबार ग्रोथ न करने की वजह से अब उनकी गुडविल पर भी असर पड़ने लगा हैं। शहर में १२६ नए निर्यातकों ने पिछले वित्तीय वर्षों में निर्यात बाजार में कदम रखा था। उसके बाद से वे लगातार उभर रही वैश्विक स्थितियों से प्रभावित हो रहे हैं। १० हजार करोड़ रुपये का शहर का निर्यात कारोबार, १ हजार करोड़ रुपये के निर्यात ऑर्डर फिलहाल रुके, ६० फीसदी निर्यात कारोबार टैरिफ से हुआ था प्रभावित, ५ हजार कर्मचारी सीधेतौर पर निर्यात युनिट से जुड़े।

महिला रेलवे टेक्नीशियन ने फंदा लगाकर दी जान, २६ फरवरी को हुई थी इंगेजमेंट

कानपुर। कानपुर के गोविंदनगर इलाके में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां भारतीय रेलवे की २८ वर्षीय टेक्नीशियन नेहा कुमारी ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। नेहा मूल रूप से बिहार के मुजफ्फरपुर की निवासी थीं और २०२० में रेलवे में टेक्नीशियन के पद पर नियुक्त हुई थीं। उनकी तैनाती फजलगंज स्थित रेलवे वर्कश प में थी। परिजनों के अनुसार, नेहा की सगाई (इंगेजमेंट) २६ फरवरी को हो चुकी थी। वह २३ फरवरी को त्योहार (होली) मनाने के लिए छुट्टी पर अपने बिहार स्थित घर गई थीं और गुरुवार (५ मार्च) को ही वापस कानपुर लौटी थीं। नेहा गोविंदनगर के दस–ब्ल क में अपनी सहकर्मी सोनल के साथ किराए के कमरे में रहती थीं। घटना की जानकारी मिलने पर पता चला कि गुरुवार देर शाम सोनल जब कमरे में पहुंची तो दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर तक दरवाजा खटखटाने पर भी कोई जवाब नहीं मिला, जिसके बाद उन्होंने गोविंदनगर पुलिस और परिजनों को सूचना दी। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर कमरे में प्रवेश किया तो नेहा का शव दुपट्टे से पंखे के सहारे लटका मिला। फोरेंसिक टीम की जांच में कमरे से एक डायरी बरामद हुई, जिसमें नेहा ने भावुक सुसाइड नोट लिखा था, ष्मम्मी–पापा मुझे माफ करना, मैं जान देने जा रही हूं।' पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और परिजनों को सूचित किया। नेहा के बड़े भाई चंदन (जो आगरा मेट्रो में कार्यरत हैं) ने बताया कि उन्हें

किसी तरह की परेशानी, तनाव या मानसिक दबाव की कोई जानकारी नहीं थी। नेहा का स्वभाव हंसमुख था और कार्यस्थल पर भी उनका किसी से कोई विवाद नहीं रहा। साथी कर्मचारियों ने भी यही कहा कि वह मिलनसार और सकारात्मक स्वभाव की थीं। गोविंदनगर थाना प्रभारी रिकेश कुमार सिंह ने बताया कि सुसाइड नोट मिलने के बावजूद आत्महत्या का सटीक कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है, जिसमें सगाई से जुड़े पहलुओं, पारिवारिक स्थिति और अन्य संभावित कारणों की पड़ताल की जा रही है।

फंदे पर लटकता मिला महिला का शव, परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया

कानपुर। कानपुर के महाराजपुर इलाके में बुधवार शाम एक नवविवाहिता का शव कमरे में फंदे पर लटका मिला। मृतका की पहचान २५ वर्षीय सोनी के रूप में हुई है, जो कानपुर देहात के देवीपुर शिवली की रहने वाली थीं। उनकी शादी २०२० में महाराजपुर के रामनगर निवासी ई–रिक्शा चालक भानु प्रताप पाल से हुई थी। दंपति के दो बच्चे हैं, बेटा अभिषेक और बेटी अनुप्रिया हैं। परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले ११ लाख रुपये नकद और एक बाइक (पल्सर) की मांग कर रहे थे। भाई मनीष ने बताया कि जब ये मांगें पूरी नहीं की गईं, तो बहन सोनी को नियमित रूप से प्रताड़ित किया जाता था और मारपीट की जाती थी। सोनी अक्सर फोन पर परिवार को अपनी परेशानियां बताती थीं। मनीष ने आगे कहा कि एक साल पहले उनकी अपनी शादी में बाइक दी गई थी, जिसके बाद ससुराल पक्ष और ज्यादा जिद करने लगा था। बुधवार शाम पड़ोसियों ने सूचना

दी कि सोनी का शव फंदे पर लटका है। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव को कमरे में पड़ा देखा और ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान ससुराल पक्ष ने सोनी के चाचा अजय पाल की जमकर पिटाई कर दी।हंगामे की सूचना मिलते ही महाराजपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों पक्षों को शांत कराया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महाराजपुर थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की जांच जारी है, जिसमें दहेज उत्पीड़न और संभावित हत्या के पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

पति की प्रताड़ना से तंग आकर नवविवाहिता ने जहर खाकर दी जान

सिंगाही–खीरी। पति की प्रताड़ना से क्षुब्ध होकर एक नवविवाहिता ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार थाना सिंगाही क्षेत्र के ग्राम निबौरिया निवासी प्रज्ञा वर्मा (२८) पत्नी नीरज वर्मा ने शुक्रवार को जहरीला पदार्थ खा लिया। बताया जाता है कि महिला का पति नीरज वर्मा आए दिन उससे गाली–गलौज और मारपीट करता था। आरोप है कि बीती रात भी पति ने शराब के नशे में उसके साथ मारपीट की थी। प्रताड़ना से परेशान होकर नवविवाहिता ने जहरीला पदार्थ खा लिया। देर रात जब उसकी हालत बिगड़ने लगी तो ससुराल वाले उसे इलाज के लिए लखीमपुर ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में आगे की जांच की जा रही है।

आबकारी निरीक्षक द्वारा किसान से वसूले गए रुपये का मामला, राष्ट्रीय किसान शक्ति संगठन ने दिया ज्ञापन

गोला गोकर्णनाथ खीरी। आबकारी विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों पर किसान से कथित रूप से जबरन वसूली करने का आरोप लगाते हुए राष्ट्रीय किसान शक्ति संगठन ने एसडीएम को

संबोधित विज्ञापन उनकी गैर मौजूदगी में नायब तहसीलदार को सौंप कर कार्यवाही की मांग की है। संगठन द्वारा दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि घटना १ मार्च की है। ग्राम भैंसटा थाना हैदराबाद निवासी किसान मदन लाल का आरोप है कि वह चीनी मिल गोला गोकर्णनाथ में गन्ना बेचकर शाम को ट्रैक्टर–ट्रॉली से घर लौट रहा था। इसी दौरान चीनी मिल के निकट डाइवर्जन रोड पर आबकारी विभाग के कुछ लोग कार में मौजूद थे, जिनमें कुछ वर्दी में और कुछ सादे कपड़ों में बताए गए हैं। पीड़ित किसान का आरोप है कि आबकारी निरीक्षक अवनीश रावत ने उसकी ट्रैक्टर–ट्रॉली रुकवाकर कार का इंडिकेटर तोड़ने का आरोप लगाया और उसे जबरन कार में बैठाकर चीनी मिल परिसर स्थित आबकारी कार्यालय ले गए। वहां उसके साथ मारपीट की गई और १२ हजार की मांग की गई थी।आरोप है कि पैसे न देने पर झूठे मुकदमे में जेल भेजने की ध मकी भी दी गई। भय के चलते किसान ने अपने घर फोन कर ५ हजार मंगवाकर आबकारी कर्मियों को दिए, जिसके बाद उसे छोड़ा था। राष्ट्रीय किसान शक्ति संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पटेल श्रींष्ण वर्मा ने कहा कि यह घटना कई गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने कहा कि यदि सरकारी वर्दी का इस्तेमाल आम जनता, खासकर गरीब किसानों से वसूली के लिए किया जा रहा है, तो यह बेहद चिंताजनक है। उन्होंने यह भी कहा कि घटना से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने और हिंदुस्तान में खबर प्रकाशित होने के बावजूद अब तक उच्च स्तरीय जांच शुरू न होना प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। संगठन ने मांग की है कि इस मामले की उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और किसान से लिए गए पांच हजार रुपये वापस कराए जाएं। साथ ही संगठन ने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई नहीं की गई तो किसानों को एकजुट कर आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। बताया गया कि इस संबंध में जिलाधिकारी, आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश लखनऊ और मुख्यमंत्री को भी रजिस्टर्ड डाक से भेजा गया है। ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रदेश अध्यक्ष पटेल श्रीकृष्ण वर्मा, जिला अध्यक्ष संतोष सिंह भदौरिया, सुरेश चंद्र कनौजिया एडवोकेट, विजेंद्र यादव एडवोकेट, विजय कुमार, अरुण कुमार यादव, लाल बहादुर सिंह यादव एडवोकेट, सुरेंद्र कुमार अग्निहोत्री सहित अन्य लोग मौजूद थे।

गोला गोकर्णनाथ में संघ का होली मिलन समारोह सम्पन्न

गोला गोकर्णनाथ खीरी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गोला गोकर्णनाथ नगर एवं कुंभी खंड द्वारा श्री सिद्धिविनायक गेस्ट हाउस में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों के साथ नगर के गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा एक–दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जिला बौद्धिक प्रमुख रामनरेश वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि होली सामाजिक समरसता और संगठन शक्ति का पर्व है। यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हमें आपसी मतभेद भुलाकर समाज में सद्भाव, भाईचारा और सामंजस्य के साथ रहने का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम में वक्ता राम नरेश ने कहा कि एक संगठित समाज ही भारत को परम वैभव के शिखर तक पहुंचा सकता है। उन्होंने वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए संगठन शक्ति के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि समाज की एकता ही राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर चलाए जा रहे 'पंच परिवर्तन' अभियान के उद्देश्यों की भी जानकारी दी और बताया कि संघ समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए विभिन्न सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ा रहा है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने

एक–दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और राष्ट्र तथा समाज की उन्नति के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सह जिला कार्यवाह विवेक वर्मा, सह जिला व्यवस्था प्रमुख अनिरुद्ध गुप्ता, नगर कार्यवाह महेंद्र पाठक, सह नगर संघचालक कौशल किशोर, कुंभी खंड संघचालक दुष्यंत वर्मा, खंड कार्यवाह हेमंत वर्मा, सह खंड कार्यवाह महेंद्र वर्मा, नगर खंड प्रचारक अभिषेक कुमार, स्वयंसेवक तथा गोला नगर के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

मुठभेड़ के बाद मुख्य आरोपी दीपक सोनकर गिरफ्तार, जानें पूरा मामला

सुलतानपुर। उत्तर–प्रदेश में सुलतानपुर जिले के कोतवाली देहात क्षेत्र अंतर्गत जनऊपुर गांव में दो पक्षों में हुई मारपीट में गोली लगने से एक व्यक्ति की हुई मौत मामले में मुख्य आरोपी को पुलिस ने एक मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जनऊपुर में आपसी विवाद में गोलीबारी की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस और पीआरवी टीम तुरंत मौके पर पहुंची। घायलों को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया। इसमें मोहित सोनकर की मौत हो गई। परिजनों की तहरीर पर पांच लोगों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में प्राथमिक की दर्ज कर मुख्य आरोपी दीपक सोनकर की गिरफ्तारी के जांच टीम गठित कर दी गई। जांच टीम ने बीती रात दीपक को उसके घर धोपाप से गिरफ्तार किया। पुलिस की पूछताछ में उसने बताया कि आलाकत्ल पिस्टल जनऊपुर में ही एक घर के पीछे फेंक दिया है। पुलिस जब उसे लेकर पिस्तौल बरामद करने गई तो दीपक ने खेत से पिस्तौल उठाकर पुलिस पर ही फायर कर दिया, पुलिस ने भी बचाव जवाबी फायरिंग की, जो दीपक के पैर में लगी। दीपक सोनकर को घायल अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आगे की विधि कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि दीपक के विरुद्ध लंभुआ थाने में १० आपराधिक मामला दर्ज है। ज्ञातव्य है कि बुधवार को थाना कोतवाली देहात क्षेत्र अंतर्गत जनऊपुर गांव में गुरुवार की सुबह वीरेंद्र प्रताप के छोटे बच्चे का रमेश सोनकर के परिवार के सदस्यों से किसी बात पर झगड़ा हुआ था। उस समय दोनों पक्षों ने आपसी सुलह कर ली थी और पुलिस को कोई जानकारी नहीं दी गई थी। शाम को रमेश सोनकर के परिवार की महिलाएं और उनका बेटा भोलू सोनकर, वीरेंद्र प्रताप के घर पहुंचे। वहां विवाद फिर से बढ़ गया, जिसके बाद भोलू सोनकर ने कथित तौर पर लगभग पांच राउंड फायरिंग की। मोहित के सीने में दो गोलियां लगी जिन्हें इलाज के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मंगल को भी एक गोली लगी है। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है, लेकिन विस्तृत जांच के लिए उसे सीटी स्कैन हेतु रेफर किया गया है। होमगार्ड वीरेंद्र प्रताप को भी मामूली चोटें आई हैं, जिनका उपचार चल रहा है।

एलपीएस के पूर्व छात्र का यूपीएससी में चयन

लखीमपुर खीरी। लखनऊ पब्लिक स्कूल, लखीमपुर शाखा के पूर्व छात्र सचिन वर्मा का चयन यू.पी.एस.सी.

सिविल सेवा परीक्षा २०२५ में हुआ है। सचिन वर्मा ने अपनी मेहनत और लगन के बल पर ऑल इंडिया रैंक (AIR) ७८५ प्राप्त कर शहर और विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। सचिन वर्मा लखनऊ पब्लिक स्कूल, लखीमपुर शाखा के छात्र रहे हैं और उन्होंने सत्र २०१७ में कक्षा १२ की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। विद्यालय के चेयरमैन एवं सांसद डॉ. एस. पी. सिंह, पूर्व एम.एल.सी. श्रीमती कांति सिंह तथा प्रबंध निदेशक सुशील सिंह ने इस उपलब्धि पर सचिन वर्मा को प्रधानाचार्य विजय सचदेवा के माध्यम से हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की हैं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। सचिन वर्मा ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपनी माता श्रीमती रमादेवी, पिता जी जगदीश वर्मा तथा विद्यालय के सभी शिक्षक–शिक्षिकाओं को दिया है।

जाली नोट छापने वाले अंतरजनपदीय गिरोह का पर्दाफाश

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले में पुलिस ने जाली नोट छापने वाले अंतरजनपदीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से १.१६ लाख रुपये के जाली नोट, लैपटॉप, कलर प्रिंटर, एक कार तथा सात मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) चिराग जैन ने शुक्रवार को बताया कि होली त्योहार के मद्देनजर रौनापार क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि टेकनपुर पुलिया के पास कुछ लोग एक कार में जाली नोटों का लेन–देन कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने घेराबंदी कर छह आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में नितिन सिंह उर्फ भोला, ऋषिकेश सिंह उर्फ शनि, अभिषेक सिंह उर्फ कान्हा, आदित्य सिंह उर्फ चंकी, शिवम सिंह उर्फ विदुर (सभी निवासी बरडीहा थाना रौनापार) तथा मुन्ना पांडेय निवासी बड़हलगंज, गोरखपुर शामिल हैं। इनकी निशानदेही पर पुलिस ने ग्राम जगदीशपुर थाना जीयनपुर से मनोज कुमार और रुद्र पांडेय को जाली नोट बनाने के उपकरणों के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि गिरोह का सरगना मनीष मिश्रा है, जो लैपटॉप और प्रिंटर की सहायता से ए–४ साइज कागज पर जाली नोट छापता था। इसके बाद पेपर कटर से काटकर उन्हें असली नोटों के आकार में तैयार किया जाता था और असली नोटों की गड्डियों के बीच रखकर बाजारों में चलाया जाता था। पुलिस ने बताया कि इस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है। मामले में मुकदमा दर्ज कर सभी गिरफ्तार आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

जब दुनिया में उथल-पुथल मची है, तब भी यह त्योहार आनंद और उत्साह लेकर आ रहा : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को होली के अवसर पर बने खुशनुमा माहौल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जब दुनिया में उथल–पुथल मची है, तब भी यह त्योहार आनंद और उत्साह लेकर आ रहा है। भगवान नरसिम्हा शोभा यात्रा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने भारत के ष्मजबूत नेतृत्वष् की प्रशंसा की और कहा, ष्हम भारत में होली का यह त्योहार ऐसे समय में मना रहे हैं जब पूरी दुनिया में उथल–पुथल, अशांति और अराजकता का माहौल है। लेकिन भारत, अपने (प्रधानमंत्री मोदी के) महान नेतृत्व में, इस त्योहार को आनंद और उत्साह के साथ मना रहा है। 'उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यहां न तो भय है, न अराजकता और न ही अविश्वास। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र सत्यमेव जयते की भावना से प्रेरित है और आगे कहा कि यदि कहीं भी भ्रष्टाचार पनप रहा है, तो हमें उसे जला देना चाहिए, और यदि अराजकता, आतंकवाद या उग्रवाद अपना सिर उठाने का घिनौना प्रयास करता है, तो हमें उसे भी नष्ट कर देना चाहिए। होली का

उत्सव हिंदू पौराणिक कथाओं में गहराई से निहित है, जो बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। होली का त्योहार होलिका दहन के साथ शुरू होता है। इसके अगले दिन होली का सबसे व्यापक रूप से मनाया जाने वाला उत्सव मनाया जाता है, जब लोग रंगों से खेलकर आनंद और एकजुटता में लीन हो जाते हैं। मुख्यमंत्री ने आरएसएस को 'विश्व का सबसे बड़ा सांस्कृतिक संगठन' बताते हुए उसकी प्रशंसा की और घोषणा की कि आरएसएस के १०० वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में जुलूस निकाले जाएंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जो विश्व का सबसे बड़ा सांस्कृतिक संगठन है, के लाखों प्रचारक और स्वयंसेवक हैं जिन्होंने इसके संरक्षण में हिंदुओं के सम्मान, गौरव और महिमा, भारत के सनातन धर्म की परंपराओं और भारत की एकता और अखंडता के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया है। आरएसएस के १०० वर्ष पूरे होने का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि वे भगवान नरसिम्हा शोभा यात्रा में भाग लेंगे। उन्होंने आगे कहा कि सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने के लिए हिंदू सम्मेलन चल रहे हैंय समाज का हर वर्ग उनमें भाग ले रहा है, लेकिन कहीं भी कोई अव्यवस्था नहीं है।

अभ्युदय योजना ने फिर एक बार मेधावी युवाओं को सफलता की उड़ान दी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चलाई जा रही मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना ने फिर एक बार मेधावी युवाओं को सफलता की उड़ान दी है। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित आवासीय कोचिंग और म क इंटरव्यू कार्यक्रम से जुड़े ६ प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों ने यूपीएससी–२०२५ में सफलता हासिल की है। समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने चयनित अभ्यर्थियों को बधाई दी और कहा कि मुख्यमंत्री योगी का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन मेधावी युवाओं को सिविल सेवा जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं की तैयारी के लिए निशुल्क गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन की आवासीय कोचिंग से विमल कुमार ने १०७वीं और विपिन देव यादव ने ३१६वीं रैंक हासिल की। वहीं म क इंटरव्यू में शामिल अभ्यर्थियों में मानसी ने ४४४वीं, महेश जायसवाल ने ५६०वीं, अदिति सिंह ने ८५६वीं और तनीषा सिंह ने ६३०वीं रैंक प्राप्त की। समाज कल्याण विभाग के उपनिदेशक आनंद कुमार सिंह ने बताया कि भागीदारी भवन में अभ्यर्थियों को निशुल्क आवास, भोजन, पुस्तकालय, अध्ययन सामग्री और अ नलाइन–अ फलाइन कक्षाओं की सुविधा प्रदान की जाती है। इसके अलावा विषय विशेषज्ञों और वरिष्ठ आईएएसध्पीसीएस अधिकारियों द्वारा व्यक्तिगत मार्गदर्शन अभ्यर्थियों के आत्मविश्वास और तैयारी को मजबूत बनाता है।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566
सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

पवन कल्याण की एक्शन फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' की रिलीज डेट बदली

मुम्बई। साउथ सिनेमा के स्टार पवन कल्याण की बहुप्रतीक्षित आगामी एक्शन फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' की रिलीज डेट में बदलाव कर दिया गया है। फिल्म को पहले २६ मार्च को रिलीज किया जाना था, लेकिन अब इसे १६ मार्च को रिलीज किया जाएगा। यह जानकारी मेकर्स ने दी। प्रोडक्शन हाउस मैथ्री मूवी मेकर्स ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्टर पोस्ट किया और अपडेट शेयर की। उन्होंने लिखा, "हमारी फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सेलिब्रेशन के लिए एक हफ्ते पहले आ रही है। फिल्म

'उस्ताद भगत सिंह' १६ मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह पोस्ट देखने के बाद फैंस के बीच काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। फिल्म की कहानी, एक्शन सीक्वेंस और पवन कल्याण का दमदार परफ मेंस देखने के लिए हर कोई बेताब है। हरीश शंकर द्वारा निर्देशित फिल्म २०१६ की तमिल फिल्म 'थेरी' की तमिल रीमेक बताई जा रही है। साल २०१६ में एटली द्वारा निर्देशित फिल्म थेरी को दर्शकों की तरफ से शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। इसने ब क्स अ फिस में जमकर कमाई भी की थी। इसे कई भाषाओं में डब भी किया गया था। हिंदी दर्शक भी इस फिल्म को देख चुके हैं। फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' में पवन कल्याण के अपोजिट श्रीलीला नजर आएंगी। इसके अलावा, फिल्म में के.एस. रविकुमार, आशुतोष राणा, नवाब शाह, प्रथिबन, पवन कल्याण, राशि, अविनाश, गौतमी और नागा महेश भी नजर आएंगे। इस फिल्म में पवन कल्याण एक सख्त और बहादुर पुलिस अधिकारी का किरदार निभाते दिखेंगे। १६ मार्च को रणवीर सिंह की पैन इंडिया हिंदी फिल्म धुरंधर २ भी पर्दे पर लगेगी। अब देखना होगा कि दर्शक किस फिल्म को ज्यादा प्यार देते हैं।

तलाक के मामले के बीच ज्योति ने मनाई शादी की सालगिरह

मुम्बई। भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार पवन सिंह और उनकी पत्नी ज्योति सिंह का रिश्ता पिछले कुछ सालों से लगातार चर्चा में है। कभी दोनों के बीच विवाद की खबरें सामने आती हैं, तो कभी सोशल मीडिया पर उनके किसी पोस्ट के कारण लोग फिर से उनके रिश्ते को लेकर बातें करने लगते हैं। भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह व उनकी पत्नी ज्योति सिंह के बीच तलाक का मामला लंबे समय से अदालत में चल रहा है, ऐसे में उनकी हर छोटी–बड़ी चीज पर लोगों की नजर रहती है। इसी बीच शादी की सालगिरह के मौके पर ज्योति सिंह का एक सोशल मीडिया पोस्ट चर्चा का विषय बना हुआ है। इस पोस्ट में उन्होंने पवन सिंह के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की है। दरअसल, बलिया में ६ मार्च २०१८ को पवन सिंह और ज्योति सिंह ने शादी की थी। शादी की आठवीं सालगिरह के मौके पर ज्योति सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खास पोस्ट साझा किया। इस पोस्ट में उन्होंने पवन सिंह के साथ एक

तस्वीर शेयर की, जिसमें दोनों कपल पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। तस्वीर में दोनों कैमरे की तरफ हल्की मुस्कुराहट के साथ देख रहे हैं। ज्योति सिंह ने इस फोटो के साथ सिंपल सा कैप्शन लिखा– 'हैप्पी एनिवर्सरी'। इसके आगे उन्होंने इमोजी का भी इस्तेमाल किया। कानूनी विवाद और तलाक के मामले के बीच इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींचा। ज्योति सिंह की इस पोस्ट के सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस की प्रतिक्रियाएं भी आने लगीं और शादी की सालगिरह की शुभकामनाएं दी जाने लगीं। एक यूजर ने कमेंट में लिखा, "शादी की सालगिरह मुबारक हो आप दोनों के रिश्ते में फिर से सब कुछ ठीक हो जाए।" दूसरे यूजर ने लिखा, 'भैया और भाभी को हैप्पी एनिवर्सरी ये रिश्ते को संभालने की अच्छी कोशिश है।" अन्य ने इमोजी के जरिए शादी की सालगिरह की बधाइयां दी। गौरतलब है कि पवन सिंह भोजपुरी सिनेमा के बड़े सितारों में गिने जाते हैं और उनकी निजी जिंदगी भी अक्सर खबरों में बनी रहती है। उनकी और ज्योति सिंह की शादी २०१८ में काफी धूमधाम से हुई थी, लेकिन शादी के कुछ समय बाद ही दोनों के रिश्ते में तनाव की खबरें सामने आने लगी थीं। बाद में मामला अदालत तक पहुंच गया और दोनों के बीच तलाक का केस चल रहा है।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक